दैनिक भास्कर
जींद भास्कर 06-02-2026

युवाओं को नशे के दुष्परिणाम बताए

जींद | चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में युवा रेडक्रॉस प्रकोष्ठ द्वारा नशा मुक्ति विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में वीसी प्रो. रामपाल सैनी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न विभागों के करीब 100 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है और इससे बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। मुख्य वक्ता डॉ. रमेश पंचाल (उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी) और मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इससे बचाव के उपाय बताए। सेमिनार के अंत में स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला रेडक्रॉस सोसायटी जींद का विशेष सहयोग रहा।

दैनिक जागरण

Date-06.02.2026

नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती : डा. राजेश

सीआरएसयू में सेमिनार में भाग लेते हुए विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य ● सौ: सीआरएसयू

जासं ● जींद: चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. राम पाल सैनी के नेतृत्व में नशा मुक्ति पर एक दिवसीय जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़े लगभग 100 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। रजिस्ट्रार डा. राजेश बंसल ने मुख्य अतिथि के रूप में युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए गंभीर चुनौती है, विशेषकर युवा वर्ग इसके शिकार हो रहे हैं। विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वह युवाओं को शैक्षणिक और सामाजिक बुराइयों से दूर रखे। इस अवसर पर रामजी लाल, कुलदीप नारा, डा. रोहित, डा. मंजू मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
FRI,06 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

युवा रैडक्रॉस का नशा मुक्ति पर जागरूकता सैमीनार आयोजित

जींद, 5 फरवरी (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामपाल सैनी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में युवा रैडक्रॉस प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में नशा मुक्ति विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सैमीनार का सफल एवं प्रभावशाली आयोजन किया गया। सैमीनार में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से जुड़े लगभग 100 युवा रैडक्रॉस स्वयंसेवकों ने सक्रिय सहभागिता की।

युवा रैडक्रास के नशा मुक्ति पर आयोजित सैमीनार में मौजूद मुख्य वक्ता और अन्य।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसमें डॉ. राजेश बंसल, कुलसचिव चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है, विशेष रूप से युवा वर्ग इसके सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं। विश्वविद्यालय का दायित्व है कि वह युवाओं को न केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम बनाए, बल्कि उन्हें सामाजिक बुराइयों से दूर रखते हुए स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन मूल्यों से भी जोड़े। युवा रैडक्रॉस जैसी गतिविधियां छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करती हैं। सैमीनार के मुख्य वक्ता के रूप में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश पांचाल तथा मनोवैज्ञानिक नरेश जगलान रहे।

डॉ. रमेश पांचाल ने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि पूरे परिवार एवं समाज को भी प्रभावित करता है।

मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, इसके मानसिक कारणों तथा नशे से बाहर निकलने के लिए परामर्श एवं सकारात्मक सोच की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर रैडक्रॉस सचिव रामजीलाल प्रो. कुलदीप नारा, कार्यक्रम समन्वयक (युवा रैडक्रॉस), सी.आर.एस.यू., जींद, डॉ. रोहित एवं डॉ. मंजू सुहाग, परामर्शदाता, युवा रैडक्रॉस, सी.आर.एस.यू., जींद की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. पारुल एवं हिमेश द्वारा अत्यंत सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से किया गया। सैमीनार दौरान स्वयंसेवकों ने वक्ताओं से प्रश्न-उत्तर के माध्यम से संवाद स्थापित किया तथा नशा मुक्ति के प्रति अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इस सफल आयोजन में जिला रैडक्रॉस सोसायटी, जींद की टीम का विशेष सहयोग रहा, जिसके लिए युवा रैडक्रॉस, सी.आर.एस.यू., जींद द्वारा उनका हृदय से आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अमर उजाला

Date-06.02.2026

नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती : डॉ. राजेश

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में वीरवार को युवा रेड क्रॉस प्रकोष्ठ की तरफ से नशा मुक्ति विषय पर एक दिवसीय जागरूकता सेमिनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के लगभग 100 रेड क्रॉस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि नशा समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है, जिसका सबसे अधिक शिकार युवा वर्ग हो रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय का दायित्व केवल शैक्षणिक विकास तक सीमित नहीं है बल्कि छात्रों को सामाजिक बुराइयों से दूर रखकर अनुशासित जीवन मूल्यों से जोड़ना भी है।

मुख्य वक्ता के रूप में डिप्टी सीएमओ डॉ. रमेश पांचाल ने नशे के शारीरिक और सामाजिक दुष्परिणामों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नष्ट करता है बल्कि पूरे परिवार को मानसिक व आर्थिक रूप से तोड़ देता है।

वहीं, मनोवैज्ञानिक नरेश जगलान ने नशे की प्रवृत्ति के मानसिक कारणों और सकारात्मक सोच के माध्यम से इससे बाहर निकलने के उपायों पर प्रकाश डाला।

मौके पर युवा रेड क्रॉस सचिव राम जी लाल, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. कुलदीप नारा, डॉ. रोहित और डॉ. मंजू सुहाग और जिला रेड क्रॉस सोसायटी की टीम उपस्थित रही।